E-Mail - divazmupjn@gmail.com

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), आजमगढ़

पत्रांक 987 / M-3 /12 दिनांक 20/04/2026

सेवा में,

जिला सूचना अधिकारी,
आजमगढ़।

विषयः— समाचार पत्र में प्रकाशित शिकायत के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला में दिनांक 19.04.2026 को प्रकाशित हेडलाइन **"6 माह में ही ढ़ही चहर दिवारी, 2 करोड़ से हो रहा जल जीवन मिशन का काम"** के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनपद–आजमगढ़ के विकास खण्ड–अहरौला अन्तर्गत हसनाडीह पेयजल योजना जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यदायी फर्म मेसर्स एस0आई0ई0पी0एल0–बी0आर0सी0सी0 पी0एल0(जे0वी0), गुरूग्राम (हरियाणा) द्वारा एक वर्ष पूर्व पूर्ण की गयी है। पेयजल योजना के जलकल परिसर निर्माण हेतु ग्राम पंचायत द्वारा आवंटित भूमि लगभग 1.50मी0 गहराई में एवं गड्ढ़ा युक्त थी। परिसर निर्माण के उपरान्त उसके भीतरी तरफ मिट्टी की भराई फर्म द्वारा की गयी थी किन्तु दीवार के दूसरी तरफ गड्ढ़ा मौजूद है जिससे मिट्टी के एक तरफ दबाव तथा दूसरी तरफ कटान के कारण एक तरफ की बाउण्ड्रीवॉल संतुलन के अभाव में बाहर की तरफ गिर गयी। योजना के निर्माण में गुणवत्ता सम्बन्धी आशंका के समाधान हेतु निर्माण सामग्री के सैम्पल राजकीय मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु एकत्र किये गये है।

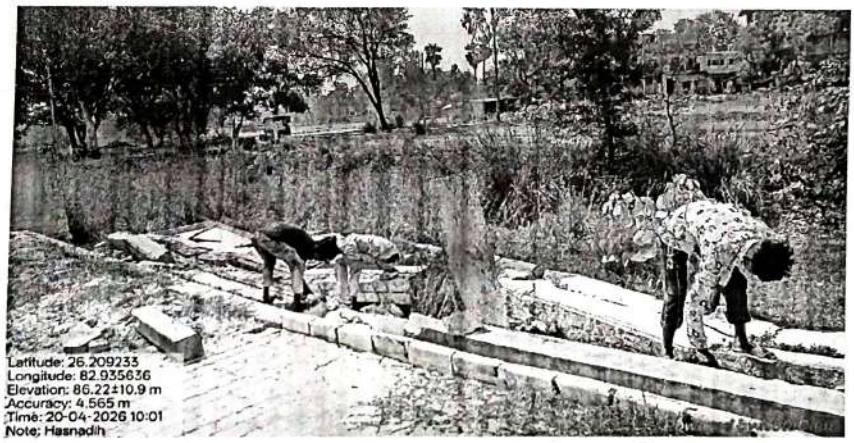

बाउण्ड्रीवॉल के क्षतिग्रस्त भाग का पुनः निर्माण कार्यदायी फर्म द्वारा उसी लागत में करने हेतु कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। निर्माण सामग्री की गुणवत्ता परीक्षण में कोई कमी पाये जाने पर कार्यदायी फर्म के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

भवदीय

(राजेन्द्र कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एंव दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपिः—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव/प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) लखनऊ।
2. जिलाधिकारी महोदय, आजमगढ़।
3. मुख्य अभियन्ता(वारा0क्षेत्र), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), वाराणसी।
4. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), आजमगढ़।
5. मुख्य विकास अधिकारी महोदय–आजमगढ़।
6. सम्बन्धित सहायक अभियन्ता/जूनियर इंजीनियर।

अधिशासी अभियन्ता

दैनिक अमर उजाला आजमगढ़ पेज-11(आजमगढ़ मंडल)

6 माह में ही ढही चहारदीवारी, 2 करोड़ से हो रहा जल जीवन मिशन का काम

मवेशी चरा रहे पशुपालकों ने भागकर बचाई अपनी जान, निर्माण में घटिया सामग्री का आरोप

संवाद न्यूज एजेंसी

अहरौला। हसनाडीह ग्रामसभा में जल जीवन मिशन के तहत बनी टंकी की चारदीवारी निर्माण के 6 महीने बाद ही शुक्रवार को भरभराकर गिर गई।

घटना के समय आसपास पशु चरा रहे पशुपालकों ने भागकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर शुक्रवार शाम को ही भाजपा मंडल अध्यक्ष अर्पित मौर्य, उपाध्यक्ष सोनू तिवारी, भाजपा नेता विरजानंद तिवारी, श्लोक सिंह और ग्राम प्रधान लालचंद कन्नौजिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और रोष जताया।

मंडल अध्यक्ष अर्पित मौर्य ने आरोप लगाया कि टंकी का निर्माण पूरी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। जल जीवन मिशन के तहत करीब 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से काम हो रहा है। 6 महीने पहले ही टंकी और चहारदीवारी तैयार हुई थी।

उन्होंने बताया कि मामले की सूचना जल जीवन मिशन के उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। सोशल मीडिया के जरिए जिला प्रशासन, मुख्यमंत्री और जल मंत्री को भी अवगत कराया गया है। उन्होंने बताया कि करीब 20 मीटर लंबी चहारदीवारी गिर गई है, जबकि बाकी दीवार भी अपने स्थान से 4-5 इंच खिसक गई है। इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण के दौरान घटिया सामग्री, विशेषकर सफेद बालू का प्रयोग किया गया था, जिसकी शिकायत ठेकेदार से की गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

हसनाडीह गांव में गिरी जल जीवन मिशन के तहत बनी चहारदीवारी। संवाद

भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया से मुख्यमंत्री और जल मंत्री से की शिकायत

ग्राम प्रधान लालचंद कन्नौजिया ने बताया कि गांव में अभी तक नियमित पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है और कुछ ही घरों में कनेक्शन दिया गया है।

इसके अलावा पाइपलाइन डालने के दौरान गांव की सड़कों को खोदकर खराब कर दिया गया, जिन्हें शिकायत के बाद आंशिक रूप से ही ठीक किया गया है।

ग्रामीण अब्दुल कादिर, अब्दुल गनी, मंजूर अहमद, पंकज तिवारी, सर्वेश तिवारी समेत अन्य लोगों ने भी निर्माण में अनियमितता और घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया है।

उल्लेखनीय है कि करीब 247.98 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह टंकी महज 6 महीने पहले ही तैयार हुई थी।

टंकी परिसर की चारदीवारी गिरने की सूचना मिली है। टंकी और चहारदीवारी 6 महीने पहले ही तैयार हुई थी। तकनीकी टीम को मौके पर भेजकर रैपलिंग और जांच कराई जाएगी तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

-राजेंद्र कुमार, अधिशासी अभियंता जल जीवन मिशन।